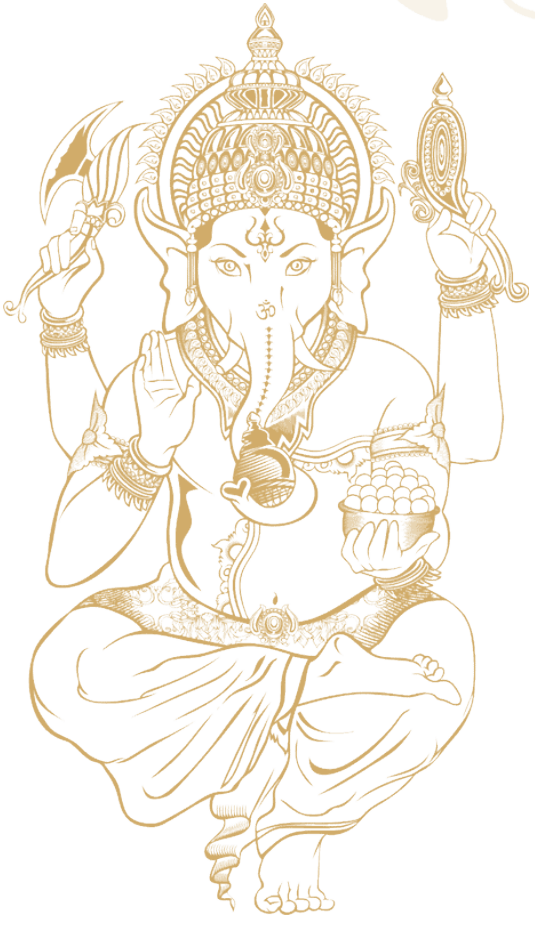

Mr.Sani raj

08 Feb 2019

01:10 PM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121011303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/02/2019**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**13:10:00 घंटे**
इष्ट	17:05:09 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:30:16 घंटे
वेलान्तर	-00:14:10 घंटे
साम्पातिक काल	22:42:47 घंटे
सूर्योदय	06:19:56 घंटे
सूर्यास्त	17:28:09 घंटे
दिनमान	11:08:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	25:07:23 मकर
लग्न के अंश	29:02:20 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्ध
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीपांकर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	29:02:20	341:10:54	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			मक	25:07:23	01:00:48	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	02:25:53	11:58:42	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
मंगल			मेष	01:43:53	00:40:37	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
बुध		अ	कुंभ	02:01:30	01:48:14	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	24:52:11	00:09:37	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
शुक्र			धनु	10:53:57	01:09:00	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
शनि			धनु	21:37:28	00:06:18	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
राहु	व		कर्क	02:29:19	00:03:49	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	02:29:19	00:03:49	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	04:55:57	00:01:38	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	---
नेप			कुंभ	21:03:17	00:02:06	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	27:44:23	00:01:51	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	14:58:43	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:12

लग्न-चलित

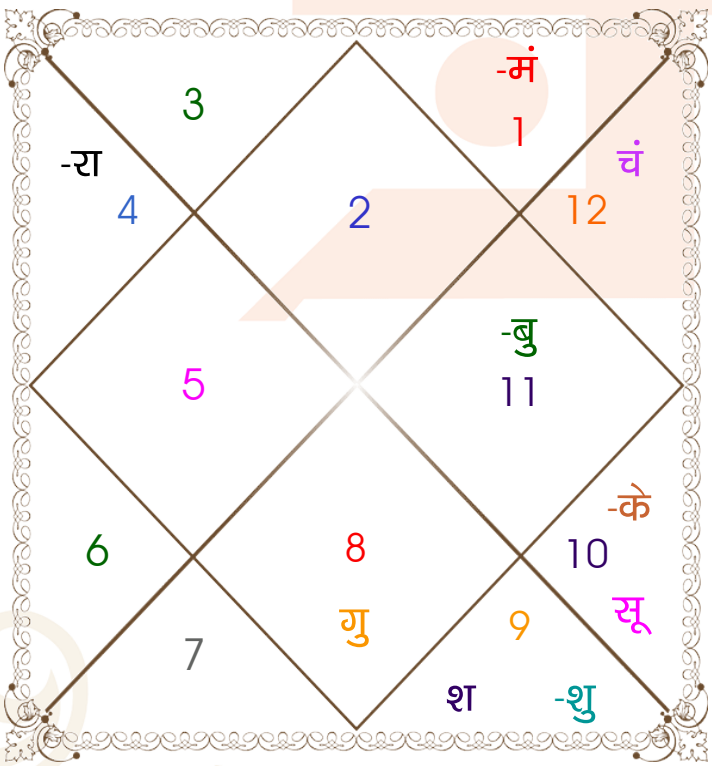

चन्द्र कुंडली

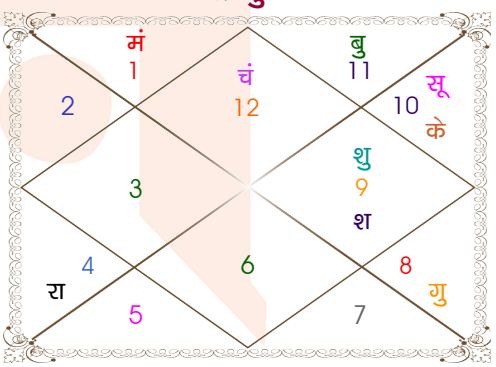

नवमांश कुंडली

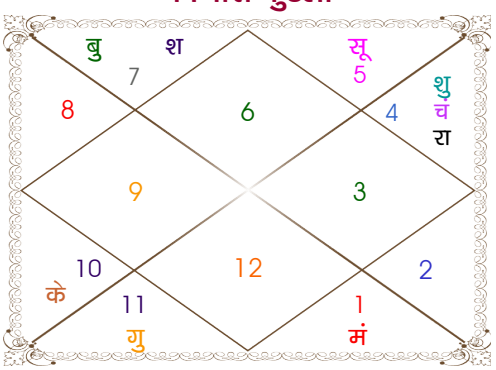

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 0 मास 30 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
08/02/2019		09/03/2020		10/03/2039		09/03/2056		10/03/2063	
09/03/2020		10/03/2039		09/03/2056		10/03/2063		10/03/2083	
	00/00/0000	शनि	13/03/2023	बुध	06/08/2041	केतु	05/08/2056	शुक्र	10/07/2066
	00/00/0000	बुध	20/11/2025	केतु	03/08/2042	शुक्र	06/10/2057	सूर्य	10/07/2067
	00/00/0000	केतु	30/12/2026	शुक्र	03/06/2045	सूर्य	10/02/2058	चंद्र	10/03/2069
	00/00/0000	शुक्र	01/03/2030	सूर्य	09/04/2046	चंद्र	12/09/2058	मंगल	10/05/2070
	00/00/0000	सूर्य	11/02/2031	चंद्र	09/09/2047	मंगल	08/02/2059	राहु	09/05/2073
	00/00/0000	चंद्र	11/09/2032	मंगल	05/09/2048	राहु	26/02/2060	गुरु	08/01/2076
	00/00/0000	मंगल	21/10/2033	राहु	25/03/2051	गुरु	01/02/2061	शनि	10/03/2079
	08/02/2019	राहु	27/08/2036	गुरु	30/06/2053	शनि	13/03/2062	बुध	08/01/2082
राहु	09/03/2020	गुरु	10/03/2039	शनि	09/03/2056	बुध	10/03/2063	केतु	10/03/2083

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
10/03/2083		10/03/2089		10/03/2099		11/03/2106		10/03/2124	
10/03/2089		10/03/2099		11/03/2106		10/03/2124		09/02/2139	
सूर्य	28/06/2083	चंद्र	08/01/2090	मंगल	06/08/2099	राहु	21/11/2108	गुरु	29/04/2126
चंद्र	27/12/2083	मंगल	09/08/2090	राहु	25/08/2100	गुरु	17/04/2111	शनि	09/11/2128
मंगल	03/05/2084	राहु	08/02/2092	गुरु	01/08/2101	शनि	21/02/2114	बुध	15/02/2131
राहु	28/03/2085	गुरु	09/06/2093	शनि	09/09/2102	बुध	09/09/2116	केतु	22/01/2132
गुरु	14/01/2086	शनि	08/01/2095	बुध	07/09/2103	केतु	27/09/2117	शुक्र	22/09/2134
शनि	27/12/2086	बुध	09/06/2096	केतु	03/02/2104	शुक्र	27/09/2120	सूर्य	11/07/2135
बुध	03/11/2087	केतु	08/01/2097	शुक्र	04/04/2105	सूर्य	22/08/2121	चंद्र	09/11/2136
केतु	09/03/2088	शुक्र	08/09/2098	सूर्य	10/08/2105	चंद्र	21/02/2123	मंगल	16/10/2137
शुक्र	10/03/2089	सूर्य	10/03/2099	चंद्र	11/03/2106	मंगल	10/03/2124	राहु	09/02/2139

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 0 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।